पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

जनवरी 2021 माह के लिए प्रमुख उपलब्धियां

पत्तन

(i) जवाहरलाल नेहरू पोर्ट (जेएनपी) में जनवरी -2021 के दौरान कुल यातायात 6.50 मिलियन टन था, जब कि जनवरी -2020 में यह 5.91 मिलियन टन था, जो कि पिछले महीने की इसी अवधि की तुलना में 9.87 % अधिक है। साल। इस महीने के यातायात में 0.82 मिलियन टन बल्क कार्गो शामिल हैं,जोकि पिछले वर्ष के इसी महीने में 0.59 मिलियन टन था।

(ii) जनवरी 2021 माह के दौरान जे एन पी में उथले पानी कि बर्थ में 134,713 मीट्रिक टन तटीय कार्गो , सीमेंट की संभलाई की गई थी। यह एक महीने में सीमेंट की रिकॉर्ड संभलाई है, जो फरवरी-2019 में पहले के सबसे अधिक, 113,560 मीट्रिक टन से आगे निकाल गई है। यह यातायात विभाग द्वारा उत्तर गेट परिसर से निर्बाध सड़क उपमार्ग प्रदान करके ,जिससे जलयानों के टर्न एराउंड टाइम में तेजी आई, उथले जल की बर्थ के बर्थ के उत्पादन को अधिकतम करने संबंधी प्रयासों से संभव हुआ। यह पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के कार्गो के तटीय आवागमन को बढ़ाने के उद्देश्य के अनुरूप है।

सागरमाला

राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (एनएमएचसी)

गुजरात सरकार (जीओजी) ने पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय, को टोकन दर पर 99 वर्षों के लिए ग्राम सारागवाड़ा में 375 एकड़ भूमि पट्टे पर हस्तांतरित की है। राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर, लोथल, गुजरात, भारत के विकास, निर्माण और संचालन और रखरखाव के लिए पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय, गुजरात सरकार (जीओजी) और इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईपीआरसीएल) के बीच एक त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। नए मास्टर प्लान की तैयारी के लिए परामर्शदाता को लगाया गया है। इसके साथ ही, ईपीसी निविदाओं के लिए बोलियों को आमंत्रित करने के लिए अपेक्षित डिजाइन / इंजीनियरिंग दस्तावेज प्राप्त हुए हैं। दूसरे, एनएमएचसी परियोजना के सफल समापन / कमीशनिंग और उसके के मूल्यांकन तक प्रबंधन परामर्श प्रक्रियाधीन है।

वेस्टर्न डॉक, पारादीप पत्तन

मंत्रिमंडल ने 3004.63 करोड़ रु. की कुल अनुमानित लागत के साथ पीपीपी मोड के तहत पारादीप पत्तन में "पश्चिमी डॉक की आंतरिक बन्दरगाह सुविधाओं को गहरा और इष्टतम करने " की परियोजना को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना दानेदार स्लैग और तैयार इस्पात उत्पादों के निर्यात के अलावा, कोयला और चूना पत्थर के आयात की आवश्यकता को पूरा करेगी। 4 जनवरी 2021 को, पारादीप पोर्ट ने बीओटी आधार पर पश्चिमी डॉक के विकास के लिए वैश्विक आरएफक्यू जारी किया।

राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन परियोजनाएँ

राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) को 2019 में शुरू किया गया था, जिसमें वित्त वर्ष 20-25 के दौरान बुनियादी ढांचे में 111 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की परिकल्पना की गई थी। मंत्रालय ने एनआईपी के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए अपने निरंतर प्रयासों के एक अंग के रूप में पत्तन क्षेत्र की 7,738 करोड़ रुपये की 25 नई परियोजनाओं की पहचान की और उन्हें जोड़ा । अब पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत, 121 परियोजनाएँ हैं, जिनमें से 9 परियोजनाएँ पूरी हो चुकी हैं।

अंतर्देशीय जल परिवहन

(i) तीन आईडब्ल्यूएआई जलयानों, एम.वी. रवींद्रनाथ टैगोर, एम.वी. लाल बहादुर शास्त्री और एमवी होमी भाभा को भारतीय नौवहन निगम की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी इनलैंड एंड कोस्टल शिपिंग लिमिटेड (आईसीएसएल) को सौंपने के लिए दिनांक 22.01.2021 को एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए थे और रा.ज.-1, रा.ज.-2 और और आईबीपी मार्ग में अनुसूची सेवाओं के लिए इन तीनों जलयानों को उसी दिन आईसीएसएल को सौंप दिया गया था।

(ii) वाराणसी से उर्वरक और पटना से पॉलीप्रोपाइलीन ग्रेन्यूल्स ले जाने वाले 5 कंटेनरों के साथ आईडब्ल्यूएआई पोत एम.वी. आरएन टैगोर के द्वारा दिनांक 28.12.2020 से 22.01.2021 के बीच वाराणसी से कोलकाता के लिए एक परीक्षण अनुसूचित सेवा चलाई गई थी ।